पर्यावरण पर आगामी वैश्विक शिखर सम्मेलन

स्रोत: द हिंदू

वर्ष 2024 में, **संयुक्त राष्ट्र** पृथ्वी के सबसे बड़े खतरों पर चर्चा करने के लिये चार महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित करने जा रहा है।

- ग्रह के लिये **प्रमुख खतरों में** **ग्लोबल वार्मिंग**, लुप्त होती वनस्पति और पशु प्रजातियाँ, उपजाऊ भूमि का **रेगिस्तान** में बदलना तथा **महासागरों**, वायु और भूमि में **प्लास्टिक प्रदूषण** शामिल हैं।
- **आगामी चार प्रमुख सत्र:**
    - **जैवविविधता पर सम्मेलन (CBD COP16): CBD COP16 कैली, कोलंबिया** में आयोजित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह आकलन करना है कि देश वर्ष 2030 तक **ग्रह के 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों की** रक्षा करने के लिये वर्ष 2022 के मॉन्ट्रियल प्रतिबद्धता की दिशा में कैसे आगे बढ़ रहे हैं।
    - **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC COP 29): UNFCCC COP 29 बाकू, अज़रबैजान** में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य **जलवायु वित्त** पर समझौतों को अंतिम रूप देने के साथ-साथ वित्तीय सहायता की गुणवत्ता एवं व्यापकता में सुधार करना है।
    - **मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD COP16): UNCCD COP16 रियाद, सऊदी अरब** में आयोजित किया जाएगा। चर्चा का उद्देश्य वर्ष **2030** तक **1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि** को बहाल करना और विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले चल रहे सूखे का प्रबंधन करना होगा।
    - **प्लास्टिक प्रदूषण संधि वार्ता:** यह **दक्षिण कोरिया** में आयोजित की जाएगी। वार्ता का अंतिम सत्र **प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिये एक वैश्विक संधि** के निर्माण पर केंद्रित होगा। इस संधि का उद्देश्य सभी वातावरणों - महासागरों, नदियों, झीलों और स्थलीय क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटना है।

और पढ़ें: UNFCCC

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/upcoming-global-summits-on-environment